समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

नारायणपुर नक्सल मुठभेड़ : सुरक्षा बलों ने माओवादियों को किया दबाव मे ं

Sanket Morankar Published on 22 Sep 2025

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षा बलों और माओवादी आतंकवादियों के बीच **तीव्र मुठभेड़** हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी और तलाशी अभियान जारी है।

- नारायणपुर लंबे समय से **नक्सलवाद की समस्या** से जूझ रहा है।
- सुरक्षा बलों ने इलाके में लगातार निगरानी और अभियान चलाए हुए हैं।
- स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ तब हुई जब सुरक्षा बलों ने **गोपनीय सूचना के आधार पर नक्सलियों के छिपने की जगह पर छापा मारा।**

- CRPF और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़ सुबह के समय हुई।
- उन्होंने कहा कि माओवादी फायरिंग कर रहे थे, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी कार्रवाई की।
- अधिकारियों ने यह भी बताया कि अभियान में **एनकाउंटर के दौरान माओवादी सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।**

सूत्रों ने कहा—
“हमारे जवानों की बहादुरी और सतर्कता के कारण बड़ी दुर्घटना टल गई। हमारी प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है।”

- अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मुठभेड़ में कितने माओवादी मारे गए या घायल हुए।
- सुरक्षा बलों का दावा है कि माओवादी समूह काफी संख्या में था और हथियारों से लैस था।

- ग्रामीणों ने बताया कि मुठभेड़ के समय इलाके में **धुंआ और आवाज़े सुंनाई दीं**, जिससे आसपास के गांवों में डर का माहौल बन गया।

- मुठभेड़ के बाद **सुरक्षा बलों ने इलाके की पूरी घेराबंदी** कर दी है।
- हेलीकॉप्टर और ड्रोन की मदद से इलाके की निगरानी की जा रही है।
- सैनिकों ने आसपास के जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों की तलाशी शुरू कर दी है, ताकि कोई नक्सली बचकर न भाग सके।

- छत्तीसगढ़ में नारायणपुर, सुकमा और बस्तर जैसे जिले **नक्सल प्रभावित क्षेत्र** माने जाते हैं।
- सुरक्षा बलों के अनुसार, नक्सली अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में घुसपैठ कर नागरिकों को डराने की कोशिश करते हैं।
- पिछले साल भी इस क्षेत्र में कई **एनकाउंटर और छापामारी अभियान** हुए थे।

- स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि मुठभेड़ के कारण **आतंक और भय का माहौल** बना हुआ है।
- कुछ ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जबकि कुछ ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।
- अधिकारी भी ग्रामीणों से अनुरोध कर रहे हैं कि वह **सुरक्षा बलों के मार्गदर्शन का पालन करे।**

- सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि नक्सली अब **छोटे समूहों मे छिपकर लड़ते है**, जिससे उन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाता है।
- उनका कहना है कि नियमित एनकाउंटर और सुरक्षा अभियान नक्सलियों को कमजोर कर सकते हैं।
- हालांकि, ग्रामीणों की सुरक्षा और उनके भरोसे को बनाए रखना भी जरूरी है।

- नारायणपुर मुठभेड़ यह दिखाती है कि नक्सलवाद अभी भी **राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती** बना हुआ है।
- केंद्र और राज्य सरकार लगातार **विशेष सुरक्षा बलों, प्रशिक्षण और खुफिया तंत्र** को मजबूत कर रही हैं।
- यह मुठभेड़ इस बात का संकेत है कि सुरक्षा बल सक्रिय और सतर्क हैं।

- अधिकारियों ने संकेत दिया है कि नक्सलियों के खिलाफ **और अभियान** चलाया जाएगा।
- आसपास के जिलों में भी गश्त बढ़ाई जाएगी।
- सुरक्षा बलों की प्राथमिकता है कि **नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था** बनाए रखी जाए।

नारायणपुर की यह मुठभेड़ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में **सुरक्षा स्थिति की गंभीरता** को दर्शाती है।

- सुरक्षा बलों की तत्परता और साहस ने बड़ी घटना को टाल दिया।
- अब निगाहें यह देखने पर हैं कि इस मुठभेड़ के बाद नक्सलियों के खिलाफ **और सख्त कार्रवाई** की जाएगी या नहीं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में यह लगातार मुठभेड़ यह संदेश देती हैं कि **सुरक्षा बल हर स्थिति के लिए तैयार है**, लेकिन नागरिक सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना भी अत्यंत जरूरी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.